18.11.81 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनूभूती

सम्पूर्णता के समीपता की निशानी से

विश्व के राज्य भाग्य अधिकार की अनुभूति

➢➢ मै दिलाराम बाप की दिलतख्तनशीन आत्मा हूँ

➳ _ ➳ दिल में रह दिल की बात करती हूँ

→ सर्व को आराम देने वाली हूँ

■ विशेष आत्मा हूँ

➳ _ ➳ दिलाराम स्वयं दिल से सोलह शृंगारते है

→ वाह मेरा भाग्य वाह

→ वाह मेरा शृंगार वाह

→ सर्व गुण, सर्व शक्तियों का विशेष शृंगार हैं

■ गुण सम्पन्न,

■ शक्ति सम्पन्न हूँ

→ सजी सजायी हूँ, विशेष आकर्षण मूर्त हूँ

→ सारे विश्व के लिये लाइट हाउस

➳ _ ➳ माइट हाउस हूँ

➳ _ ➳ धरती का चमकता सितारा हूँ

→ श्रेष्ठ संकल्प श्रेष्ठ कर्म द्वारा

→ अखूट विशेषताओं से भरपूर हूँ

→ मुझ सितारे की सर्व प्राप्तियों की विशेष दुनिया हैं

■ वाह वाह के गीत गाती हूँ

➳ _ ➳ वाह मेरा दिलाराम वाह

➳ _ ➳ वाह मेरा अखंड शृंगार वाह

➳ _ ➳ 21जन्म शृंगार उतरेगा नहीं

→ उमंग उत्साह से दिल का साज़

→ अखंड बजता रहता हैं

→ विश्व की आत्माएं साज़ की आवाज़ सुन

→ दिलाराम से मिल रही हैं

■ राजयोग सीख रही हैं

■ सम्पन्न बन रही हैं

■ सम्पूर्ण बन रही हैं

■ अनुभवी बन रही हैं

➢➢ मै आत्मा अव्यक्त स्वरूप धारी हूं

→ विश्व स्टेज पर हूँ

→ सम्पूर्ण गोल्डन स्टेज अनुभव कर रही हूँ

→ सम्पूर्णता के समीप हूँ

➳ _ ➳ विश्व की सर्व आत्माओं को

→ सम्पन्नता का अनुभव करा रही हूँ

→ अव्यक्त स्थिति का अनुभव कर रही हूँ

➳ _ ➳ सम्पन्नता और सम्पूर्णता

→ दोनों का अनुभव कर रही हूँ

■ दोनों स्वरूप निरंतर स्मृति में हैं

➢➢ मै दिलाराम की लाडली हूँ

➳ _ ➳ सम्पूर्णता को सहज पा रही हूँ

➳ _ ➳ उमंग उत्साह से अपने सम्पूर्ण स्टेज को वर रही हूँ

➳ _ ➳ उमंग उत्साह की वरमाला पहनी हैं

➳ _ ➳ मै आत्मा लक्ष्मी को वर रही हूँ

→ वा नारायण को वर रही हूँ

→ मेरी सम्पूर्ण स्टेज

→ मुझ पुरुषार्थी का आवाहन कर रही हैं

■ मै सम्पूर्ण स्टेज को पा रही हूँ

■ साक्षात्कार कर रही हूं

→ सदा दिलखुश आत्मा हूँ

→ खुशनसीब आत्मा हूं

→ निमित्त सेवा धारी हूं

■ अथक सेवा धारी हूँ

■ निरन्तर याद में रहे

➳ _ ➳ रूहानियत का अनुभव

➳ _ ➳ रियल शान्ति

➳ _ ➳ रियल सुख

→ रियल स्वरूप की अनुभूति कर

➳ _ ➳ कनेक्शन जुड़वा कर

➳ _ ➳ रियल्टी की अनुभूति करनेवाली

➳ _ ➳ रोयल आत्मा हूँ